जेन एयर्

शार्लैट ब्रोंटे

लेखिका के विषय में

शार्लेट ब्रोंटे का जन्म यॉर्कशायर, इंग्लैंड में 1816 में हुआ था. उनके पिता एक पादरी थे. उनकी माँ कमज़ोर औरत थीं, जिनका निधन तब हुआ जब शार्लैट पाँच वर्ष की थी.

शार्लैट और उनकी तीन बहनें जिस स्कूल में पढ़ने के लिये गयीं वहां की स्थिती इतनी खराब थी कि दो बहनें बीमार हो गयीं और उनकी मृत्यु हो गई. कई लोगों का मानना है कि "जेन एयर्" में लोवूड का वर्णन शार्लैट के अपने स्कूल के अनुभव पर आधारित है.

शिक्षा पूरी कर शार्लैट अपनी बहन एमिली के साथ मिलकर लड़कियों के लिए एक स्कूल खोलना चाहती थीं. लेकिन उनके स्कूल में कोई न आया. इस कारण उन्हें यह विचार त्यागना पड़ा.

शार्लैट बचपन से ही कहानियाँ लिख रही थीं. उन्होंने अपनी एक कहानी को प्रकाशित करने का सोचा. 1847 में "जेन एयर्" प्रकाशित किया. इसके लिये उन्होंने "कर्रेर बेल" का उपनाम का उपयोग किया.

उनकी आर्थिक परेशानियाँ कम हुईं पर अन्य पारिवारिक कष्ट बार-बार झेलने पड़े.

उन्होंने दो अन्य उपन्यास "शिर्लि" और "विल्लेट" भी लिखे. फिर 1854 में उन्होंने आर्थर बेल निचोल्स से विवाह किया. लेकिन उनका सुखी जीवन बहुत छोटा ही था. विवाह के एक वर्ष बाद ही उनकी मृत्यु हो गयी.

जेन एयर्

शार्लैट ब्रोंटे

यह मेरी कहानी है. मैं बचपन में ही अनाथ हो गयी थी. मेरे मामा ने मेरा पालन-पोषण किया. सब ठीक ही चल रहा था कि उनकी मृत्यु हो गयी. अपने पीछे वह एक विधवा और तीन बच्चों को छोड़ गये जिनके घर में तो मेरे लिये जगह थी, पर दिलों में नहीं.

गेट्सहेड हॉल में सर्दी के एक दिन, जब वर्षा हो रही थी, तब मेरे ममेरे भाई-बहन, एलिज़ा, जॉन और जेओर्जियाना अपनी माँ के साथ ड्राइंग रूम में बैठे थे.

देखो माँ? यह बैठ सकता है.

हाँ, मेरे बच्चे.

नहीं, जेन.....जब तक तुम वह नहीं करतीं जो तुम्हें कहा जाये, तब तक नहीं!

बेस्सी ने क्या कहा कि मैंने क्या किया है?

देखा! हमेशा बड़ों से सवाल-जवाब करती रहती हो! कहीं बैठ जाओ और जब तक तुम अच्छे से बात करना नहीं सीखो तब तक चुप रहो.

मैं दूसरे कमरे में जाकर खिड़की के पास बैठकर किताब पढ़ने लगी. मैं प्रसन्न थी.

पर मेरी ख़ुशी जल्दी ही खत्म हो गयी.
जॉन वहां आ गया.
जेन, यहाँ आओ!
क्या चाहिए तुम्हें?

जॉन हर समय झगड़ता करता था.
मैं उससे बहुत डरती थी.
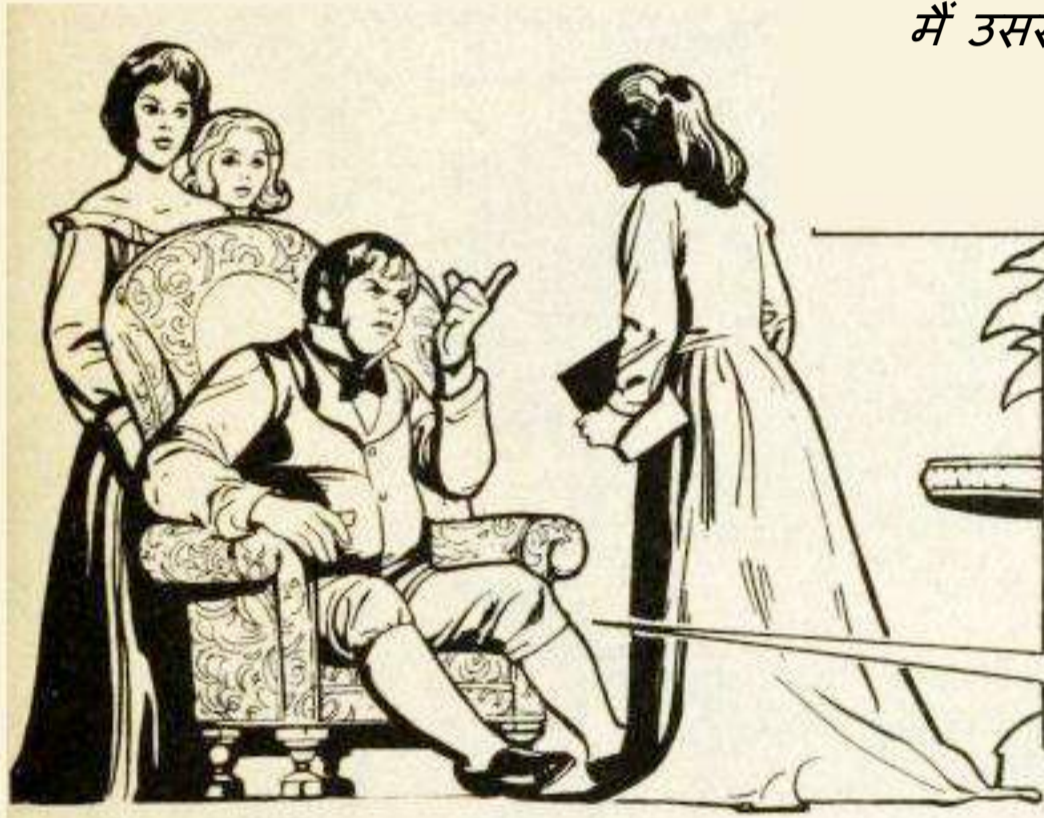
मेरी किताब पढ़ने का तुम्हें कोई अधिकार नहीं! तुम्हारे पास पैसे नहीं हैं. हमारे साथ यहाँ रह कर हमारी रोटियाँ खाने के बजाय तुम्हें भीख मांगनी चाहिए.

अचानक उसने मुझे घूंसा मारा.
यह माँ के साथ गलत व्यवहार करने की लिये.

फिर उसने किताब उठाकर मुझ पर दे मारी.
और यह मेरी किताबें पढ़ने के लिए!

इस बार मैंने उसका जवाब दिया. मैं रोम का इतिहास पढ़ रही थी.
दुष्ट लड़के! तुम तो रोमन सम्राटों जैसे हो!
जॉन मुझ पर झपटा.
क्या कहा? एलिज़ा और जेओर्जियाना, तुमने सुना इसने क्या कहा? रुको, मैं अभी दिखाता हूँ!

उसने मेरे बाल नोच लिये. गुस्से में मैं भी उससे उलझ गई.

मिसेज़ रीड वहां आ गईं. उनके पीछे उनकी नौकरानी अब्बोट और नर्स बेस्सी थीं. उन्होंने हमें अलग किया.

कितनी गुस्सैल है जो मास्टर जॉन से भिड़ गयी!

आज तक किसी ने देखी है ऐसी लड़की!

मुझे खींच कर वह ऊपर ले गईं. सारे रास्ते मैं हाथ-पाँव मारती रही.

नौ साल पहले रैड रूम में मिस्टर रीड की मृत्यु हुई थी. उनका शव यहीं रखा गया था. यह एक सुंदर कमरा था जिसका उपयोग कम ही होता था.

मिस, आपको तो मिसेज़ रीड का आभारी होना चाहिए. अगर वह आप को घर से निकाल दें तो आपको किसी अनाथालय में रहना पड़ेगा.

मास्टर जॉन और उसकी बहनों के तरह ही वह आपका पालन-पोषण कर रही हैं, पर इसका यह अर्थ नहीं है कि आप उन बच्चों के बराबर हैं. उनके पास बहुत धन है, आपके पास कुछ भी नहीं!

दरवाज़े पर ताला लगा कर वह चलीं गयीं. मेरा सर दर्द कर रहा और लहू भी बह रहा था. मैं सोचने लगी.

एलिज़ा और जेओर्जियाना बिगड़ी हुई, स्वार्थी लड़कियां है. जॉन निर्दयी है! फिर भी सब उनसे प्यार करते हैं, उन्हें कभी दंड नहीं मिलता!

मैं अच्छा व्यवहार करने का प्रयास करती हूँ लेकिन सदा दंडित होती हूँ. यह ठीक नहीं है!

मिस्टर रीड मेरे मामा थे. मेरे जन्म के बाद जब मेरे माता-पिता का निधन हुआ तो वह मुझे अपने घर ले आये. अपनी मृत्यु के समय उन्होंने मिसेज़ रीड से वचन लिया था कि वह अपने बच्चों समान ही मेरी भी देखभाल करेंगी.

प्रकाश की किरणें कमरे के भीतर आईं. घूमती हुई वह किरणें छत की ओर गईं और एक जगह स्थिर ही गयीं.
मदद करो! मेरी मदद करो!

फिर मैंने क़दमों की आहट सुनी और ताला खुल गया.
क्या तुम्हें चोट लगी है? किसी को देखा क्या?
कितना भयानक शोर था!
मुझे बाहर ले जाओ! मुझे कमरे से बाहर जाने दो!
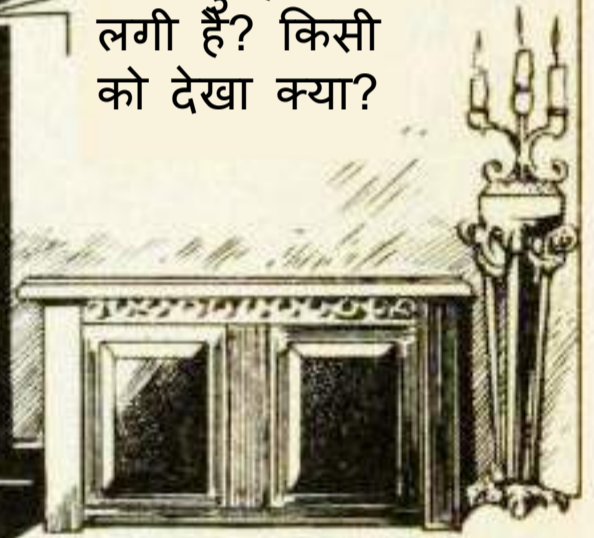
ओह, मैंने एक रोशनी देखी और मुझे लगा कि भूत अंदर आ जाएगा!

तभी मिसेज़ रीड आ गईं.
यह सब क्या है?

मैंने कहा था कि मेरे कहने तक जेन एयर् रैड रूम में ही कैद रहेगी!

मैडम, मिस जेन बहुत ज़ोर से चिल्लाई थी!

ओह, मामी, दया करो! मुझे कोई और दंड दे दो!

मैंने ताला बंद होने की और कदमों के दूर जाने की आवाज़ सुनी.

मैं बेहोश हो कर फर्श पर गिर पड़ी.

अगली बात जो मुझे याद आई वह थी एक लाल रोशनी और लोगों की आवाज़ें.

मैं कहाँ हूँ?

अपने बिस्तर में. अब तुम ठीक हो.

अब वह ठीक हो जायेगी. ध्यान रखना की वह फिर से घबरा न जाए. मैं कल आकर फिर देख जाऊँगा.

अगले दिन मुझ से बात करने के बाद मिस्टर लायड को पता लगा कि मैं बहुत दुःखी थी और स्कूल जाना चाहती थी. उसने यह बात मिसेज़ रीड को बताई. कई सप्ताह बाद मुझे ड्राइंग रूम में बुलाया गया.

इस तरह मुझे लोवूड भेजा गया. वह अनाथ बच्चों के लिए दान पर चलने वाला स्कूल था. बेस्सी ने मुझे घोड़ा-गाड़ी पर बिठा दिया.

अलविदा, बेस्सी.....तुमने सदा मुझ से स्नेह किया.

अलविदा, मिस जेन! मैं तुमको सबसे ज़्यादा चाहती हूँ!
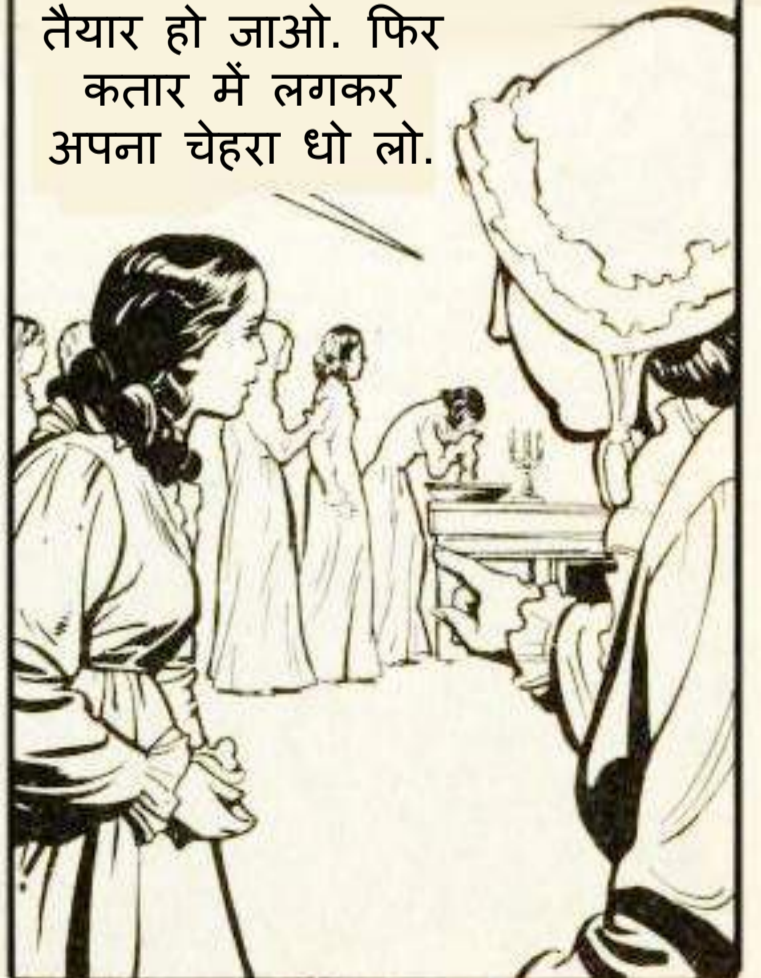
पिछले दिन मैंने बहुत कम खाया था. मुझे भूख लगी थी.

लेकिन दो चम्मच खाने के बाद मैं और न खा पाई.

अस्सी लड़कियों को चार कक्षाओं में बांटा गया था, सभी एक ही कमरे में बैठती थीं.

दुपहर के समय प्रिंसिपल, मिस टेम्पल, ने हम से बात की.

इस सुखद खाने के बाद हम बाग़ में टहलने के लिये गईं. यहाँ हेलेन बर्न्स से मेरी मित्रता हो गयी.

इस स्कूल के विषय में मुझे कुछ बताओगी?

अवश्य बताउंगी.
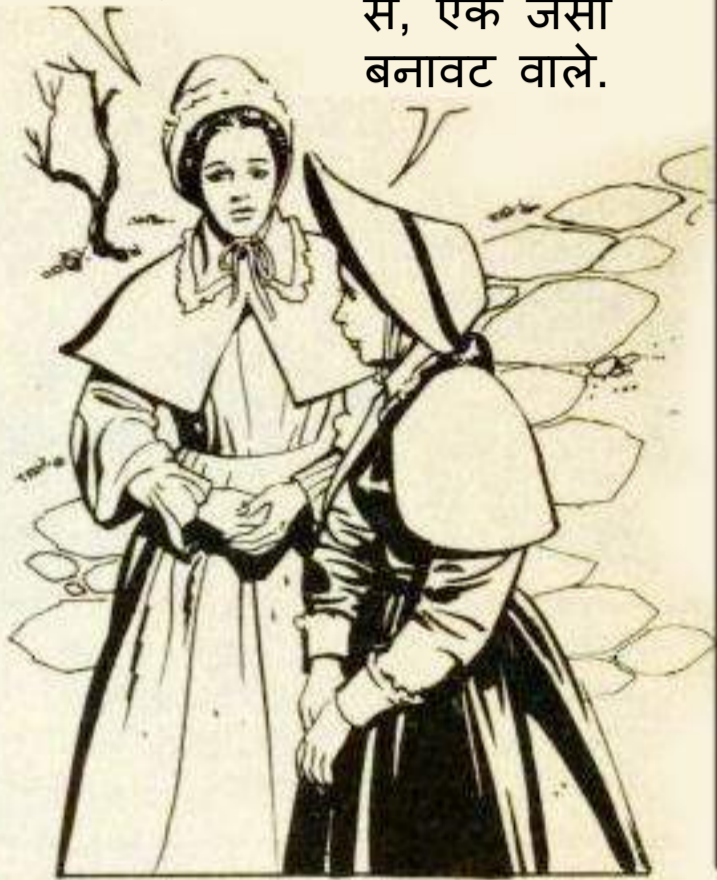
एक दुपहर को मिस्टर ब्रोकलहर्स्ट स्कूल आये.

मिस्टर ब्रोकलहर्स्ट बहुत ही बुरा आदमी था. मैं उससे बहुत डरती थी. लेकिन मैं मेहनत से पढ़ती थी. सारे पाठ अच्छे से सीखती थी. मुझे अगली कक्षा में चढ़ा दिया गया. मैं फ्रेंच और ड्राइंग सीखने लगी. मेरे कई मित्र बन गये. अब मैं प्रसन्न थी.

रोग के मिटने तक कई लड़कियों की मृत्यु हो गयी, हेलेन बर्न्स भी मर गयी. लेकिन जो कष्ट हमने झेले उनका अच्छा परिणाम भी हुआ.

और ऐसा ही हुआ. मैं छह वर्षों तक वहां की छात्रा रही और मैंने अच्छी शिक्षा पाई. फिर अध्यापिका बनकर मैं दो वर्ष और वहां रुकी. मेरी सबसे बड़ी प्रसन्नता मिस टेम्पल के साथ मेरी मित्रता थी.

फिर मिस टेम्पल का विवाह हो गया. विवाह के बाद, घोड़ागाड़ी में अपने घर जाते हुए मैंने उन्हें देखा.

मैं अपने कमरे में लौट आई.

आठ वर्षों से यह स्कूल, स्कूल के नियम, स्कूल के कर्तव्य, स्कूल की आदतें ही मेरा संसार हैं.

स्कूल के बाहर भी एक संसार है! अब मैं किसी नई जगह जाना चाहती हूँ, किसी नये घर में नये लोगों की बीच!

मैंने एक विज्ञापन लिखा.

नौकरी चाहिए,
एक युवती को
किसी परिवार में
छोटे बच्चों को पढ़ाने
की नौकरी चाहिए.
- जेन एयर्
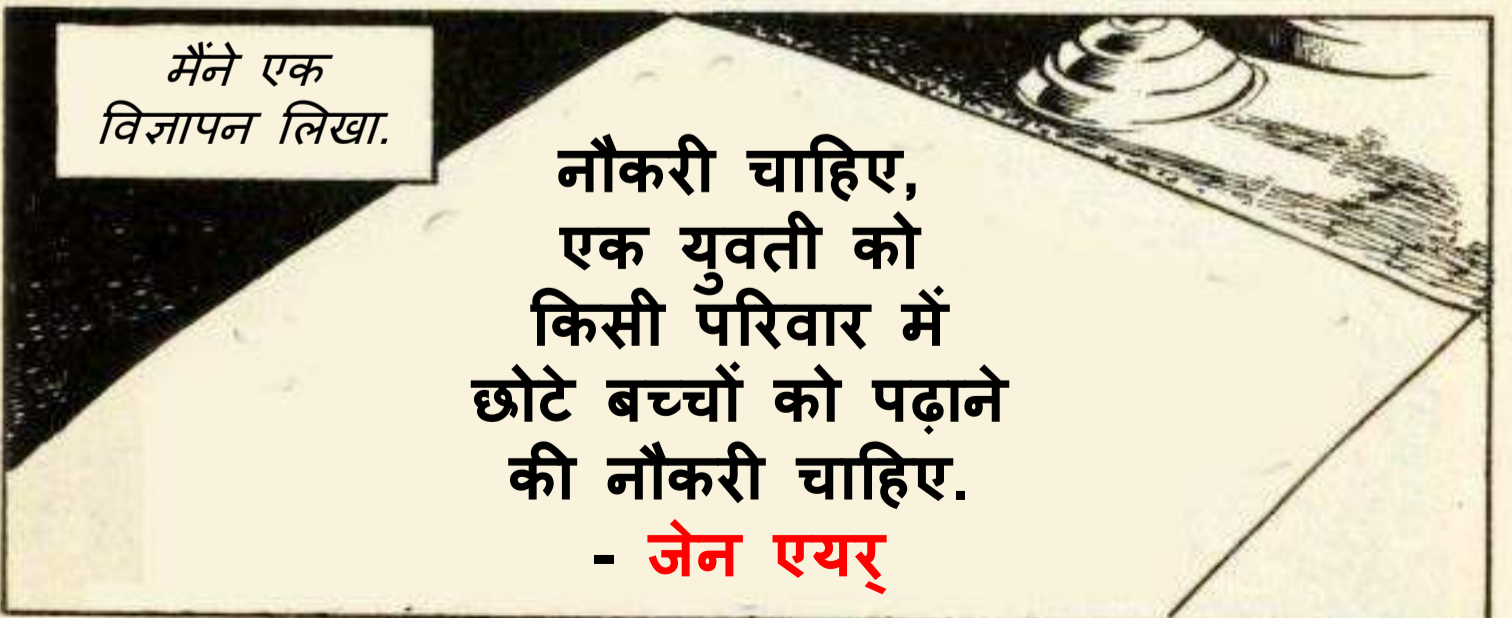
मैंने प्रिंसिपल को इस नौकरी के विषय में बताया. उन्होंने मिस्टर ब्रोकलहर्स्ट से बात की, उसने कहा कि मिसेज़ रीड को इस बात की अनुमति देनी पड़ेगी.

लोवूड से जाने की मैंने तैयारी कर ली. अंतिम संध्या आ पहुंची.

मैं अध्यापिकाओं के कमरे में गई. एक औरत ने मेरा हाथ थाम लिया.

अगले ही पल मैंने उसे गले लगा लिया.

बेस्सी ने अपने और रीड परिवार के बारे में मुझे सब कुछ बताया.

हम एक घंटे से भी अधिक समय तक पुराने दिनों के बातें करते रहे. फिर बेस्सी घर चली गयी और मैं अपने बिस्तर पर आ गई. अगली सुबह मैं घोड़ा-गाड़ी पर सवार हो कर अपने नए जीवन और नये कर्तव्यों की ओर चल पड़ी.

सोलह घंटे की लम्बी यात्रा के बाद मैं अपने गन्तव्य, मिलिकोट के बाहर एक गाँव की हवेली, में पहुंची.

तो यह है थोर्नफील्ड हॉल!

एक नौकरानी मुझे एक आरामदेह बैठक में ले गयी.

हाँ, बैठ जाओ! मैं तुम्हारे लिये गर्मा-गर्म चाय नाश्ता मंगवाती हूँ!

मैंने सोचा था कि मेरा स्वागत औपचारिक ढंग से होगा. लेकिन मिसेज़ फेयरफैक्स बड़े अपनेपन से मुझे से मिलीं. मेरे सुख का जितना ध्यान वह रख रहीं थीं उतना ध्यान आज तक किसी न रखा था.

मेरे नाश्ता करने के बाद वह मुझे ऊपर, बड़े अँधेरे दालानों से होते हुए, मेरे बेडरूम में ले गयीं.
यह कमरा मेरे कमरे के बगल में है. यह थोड़ा छोटा है पर मुझे लगा के सामने वाली बड़े आलीशान कमरों के बजाय तुम यहाँ रहना पसंद करोगी.
धन्यवाद! आप बहुत स्नेही हैं.

अगली सुबह मैं जल्दी उठ गयी. मैं नीचे आई और फिर घर के बाहर आ कर अपने नये घर को देखने लगी.
यह एक हवेली सी लगती है. यह किसी अमीर जागीरदार की हवेली जैसी नहीं है, फिर भी सुंदर है.

मेरी भेंट मिसेज़ फेयरफैक्स से हुई.
तुम जल्दी उठ जाती हो! तुम्हें थोर्नफील्ड कैसा लगा?
बहुत अच्छा!

हाँ, यह सुंदर घर है. पर मुझे संदेह है कि अगर मिस्टर रोचेस्टर यहाँ सारा साल रहने का नहीं सोचते तो यह बर्बाद हो जायेगा.
मिस्टर रोचेस्टर कौन हैं?

थोर्नफील्ड के मालिक! क्या तुम नहीं जानती?
मुझे लगा थोर्नफील्ड आपका है.

ईश्वर तुम्हारा भला करें, बच्ची. मैं तो सिर्फ हाउस कीपर हूँ.....वैसे मैं उनकी दूर की सम्बंधी हूँ.
और छोटी लड़की, मेरी छात्रा?

वह एडेलि वरेंस है, एक फ्रेंच लड़की जो मिस्टर रोचेस्टर की आश्रिता है. वह आ रही है, अपनी नर्स के साथ.

आओ एडेलि, इन महिला से बात करो, यह तुम्हें पढ़ाया करेंगी.
आप मेरी गवर्नेस हैं!

नाश्ता करने के बाद एडेलि और मैं लाइब्रेरी गए. यही हमारा क्लास-रूम था.

किताबें, पियानो, ईज़ल, ग्लोब-यहाँ तो सब कुछ है. खूब मज़ा आएगा!

मैडम, मैं प्रसन्न हूँ कि आप मेरी भाषा बोल लेती हैं.

बाद में मिसेज़ फेयरफैक्स ने मुझे सारा घर दिखाया.

जिन कमरों का कम उपयोग होता है वहां सीलन हो जाती है.

आप चीजों को बड़े सुचारु ढंग से रखती हैं. ऐसा लगता है जैसे यह कमरे हर दिन खुले रहते हैं.

वैसे मिस्टर रोचेस्टर कभी-कभार ही आते हैं, पर सदा अचानक ही आते हैं. मैं चाहती हूँ कि उन्हें हर चीज़ सही मिलनी चाहिए.

उनके पीछे-पीछे मैं अलग-अलग कमरों में गयी, फिर अटारियों से होते हुए छत पर आ गयी जहां से आसपास का सुंदर दृश्य दिखाई दे रहा था. नीचे लौट कर दालान में उनकी प्रतीक्षा करने लगी.

तभी मैंने एक अजीब, ऊंची हंसी की आवाज़ सुनी.

अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर बीत गये.
मिसेज़ फेयरफैक्स और एडेलि के साथ मेरी खूब पट रही थी.
जनवरी की एक दुपहर को मैं सैर करने निकली.

घुड़सवार ने अपने को अलग किया और घोड़ा खड़ा हो गया.

मिस्टर रोचस्टर को उस रात या अगले दिन मैंने नहीं देखा. लेकिन दरवाज़े पर होती दस्तक ने, घंटियों ने, कदमों की आहटों ने और लोगों की आवाज़ों ने हॉल की खामोशी को बार-बार तोड़ा. इस कारण उस दिन एडेलि को पढ़ाना आसान न था.

बाद में मिसेज़ फेयरफैक्स अंदर आईं.
अगर शाम के समय आप और आपकी छात्रा मिस्टर रोचेस्टर के साथ चाय पीयें तो उन्हें बहुत प्रसन्नता होगी.

क्या मैं अपने कपड़े बदल लूँ?
हाँ, जब भी वह यहाँ होते हैं तो शाम के समय मैं संवरकर रहती हूँ.

मिसेज़ फेयरफैक्स मुझे ड्राइंग रूम में ले गई.
श्रीमान, मिस एयर् आईं हैं.
मिस एयर्, बैठ जाईये.

जल्दी ही चाय भी आ गई. मिसेज़ फेयरफैक्स ने मुझे संकेत किया कि मैं मिस्टर रोचेस्टर को चाय का कप दूँ.

श्रीमान, क्या आप मिस एयर् के लिये कोई उपहार लाये हैं?

क्या आपको किसी उपहार की अपेक्षा थी, मिस एयर्?
नहीं श्रीमान, मैं एक अजनबी हूँ और मैंने ऐसा कुछ भी नहीं किया कि ऐसी अपेक्षा करूं."

अरे, इतना विनीत होने की ज़रूरत नहीं! अपने एडेलि पर बहुत मेहनत की है. जब से आप आईं हैं उसने बहुत कुछ सीखा है!

आपने मेरा उपहार मुझे दे दिया, अपने छात्रों के काम की प्रशंसा सुनना ही अध्यापकों की कामना होती है.
हूँ! मुझे चाय दें.

चाय के बाद मैं अँगीठी के पास बैठ गई और मिस्टर रोचेस्टर मुझसे मेरे बारे में पूछते रहे, मेरे परिवार, लोवूड और मेरी योग्यताओं के बारे में.
यह जानकर कि मैं पियानो बजा सकती थी, उन्होंने मुझे पियानो बजाने को कहा.
बहुत हुआ! तुम स्कूली छात्रा की तरह बजाती हो. तुम कुछ लड़कियों से बेहतर हो लेकिन बहुत अच्छा नहीं बजाती.

मिस्टर रोचेस्टर ने हर चित्र को बड़े ध्यान से देखा और तीन चित्र अलग कर दिए.

वह घर से अलग हो गये और कई वर्षों तक यात्रा करते रहे. फिर नौ वर्ष पहले, भाई की मृत्यु के बाद, उन्हें थोर्नफील्ड हॉल विरासत में मिला.

आगे चलकर मिस्टर रोचेस्टर ने कई बार कई विषयों पर मेरे साथ बातें कीं. जिन लोगों ने दुनिया का छोटा-सा भाग ही देखा था उन्हें दुनिया की अद्भुत चीज़ों के बारे में बताना उन्हें अच्छा लगता था.
अपने बीते दिनों के बारे में उन्होंने मुझे थोड़ा-बहुत बताया.
जेन, जीवन में कई मित्रों ने अपने रहस्य तुम्हें बताये होंगे.
आप ने कैसे अनुमान लगाया, श्रीमान?

मैं जानता हूँ. तुम बड़े ध्यान से बातें सुनती हो. मैं भी स्वेच्छा से ऐसे बातें कर लेता हूँ जैसे कि मैं अपनी डायरी लिख रहा हूँ.

मैं अपने-आप से संघर्ष कर रहा हूँ. जीवन चुनौती दे रहा है कि मैं थोर्नफील्ड में ही रह जाऊं.

उस रात मैं सो न पायी. थोर्नफील्ड में रहने की बात करते समय जिस तरह उन्होंने मुझे देखा था उसके बारे में सारी रात सोचती रही.

क्या वह जल्दी चले जायेंगे? मिसेज़ फेयरफैक्स ने कहा था कि दो सप्ताह से अधिक वह यहाँ नहीं रुकते. उन्हें आये हुए आठ सप्ताह से हो गये हैं....

अगर वह चले गए... जब वह यहाँ नहीं होंगे... सब कुछ कितना उदास-उदास सा हो जाएगा.

मैंने मोमबत्ती बुझा दी और बिस्तर पर लेट गयी. घड़ी ने दो बजाए. तभी मैंने हंसी की घृणित आवाज़ सुनी.

हा...हा. ..हा... हा...

क्या वह ग्रेस पूल थी? क्या वह पागल है?

जब मैंने दरवाज़ा खोला तो बाहर कोई दिखाई न दिया.... दालान के फर्श पर बस एक मोमबत्ती जल रही थी.

धुआँ! कुछ जलने की महक आ रही है!

सब भूल कर मैं मिस्टर रोचेस्टर के कमरे की ओर दौड़ी.

धूयें के कारण वह लड़खड़ा रहे थे. मैंने चिलमची में पानी लाकर उन के बिस्तर पर डाल दिया.

ईश्वर की कृपा से मैं आग बुझा पाई.
यह क्या अनर्थ है? क्या सैलाब आ गया है?
नहीं श्रीमान, लेकिन आग लगी थी. आप उठ जाएँ, मैं मोमबत्ती जलाती हूँ.

जैसे मिस्टर रोचेस्टर ने टूट-फूट की ओर देखा, मैंने सारी घटना के बारे में उन्हें बताया.
क्या मिसेज़ फेयरफैक्स को बुलाऊं? या नौकरों को?

नहीं, मुझे मेरा कोट पहना दो और चुपचाप यहाँ बैठी रहो. मुझे ऊपर तीसरी मंज़िल पर जाना होगा.

मैं अँधेरे में बैठी रही और ग्रेस पूल के विषय में सोचती रही, जिसकी हंसी मैंने सुनी थी. फिर मिस्टर रोचेस्टर लौट आये.
जैसा मैंने सोचा था, वह ग्रेस पूल ही थी, अजीब औरत है. किसी को कुछ न बताना. मुझे कुछ विचार करना होगा.

उनकी वाणी में एक अनोखी खनक थी, आँखों में अनोखी चमक थी. मैं बिस्तर में लेट तो गई पर मुझे नींद नहीं आई. अगले दिन मैं उनसे मिलने को आतुर भी थी और भयभीत भी.

लेकिन दिन सामान्य रूप से ही बीता. मिसेज़ फेयरफैक्स से मैं उनके कमरे में चाय पर मिली.

तो यात्रा हेतु मिस्टर रोचेस्टर के लिए यह अच्छा दिन है.

यात्रा! मैं नहीं जानती थी कि वह कहीं गये हुए हैं.

दो सप्ताह बाद मिसेज़ फेयरफैक्स को एक पत्र मिला.

देखो, अकसर यहाँ पर पूरी खामोशी रहती है लेकिन अब हम खूब व्यस्त रहेंगे!

क्या मिस्टर रोचेस्टर लौट रहे हैं?

तीन दिनों में- और अकेले नहीं. एश्टन के यहाँ से कई लोग उनके साथ आ रहे हैं. सभी बेडरूम तैयार करने होंगे...सब कुछ साफ़ करना होगा... किचन में कुछ नये नौकरों को काम पर रखना होगा.

जल्दी ही घर में हर ओर प्रसन्नचित आवाज़ें और हंसी सुनाई देने लगी. दालानों में नौकर यहाँ-वहां भागने लगे. मिसेज़ फेयरफैक्स मेरे लिए एक सन्देश लाईं.

मिस्टर रोचेस्टर ने कहा है कि हर दिन शाम खाने के बाद एडेलि को ड्राइंगरूम में ले कर आना.

इस तरह शाम के मनोरंजक क्रियाकलापों का मैंने अनुभव किया.
मैं एक गीत गाऊँगी-आप सब भी उत्साह के साथ इसे गाओ!
आपका आदेश तो किसी में भी उत्साह भर दे!

एक शाम सब ने शॅराड का खेल खेला. मुझे यह खेल न आता था. इस खेल में बिना बोले, अभिनय करना होता था.

एक रात एक मिस्टर मेसन आये.
मिस्टर रोचेस्टर के कोई पुराने मित्र लगते हैं.
शायद दोनों की मुलाकात वेस्ट इंडीज में हुई होगी.

उस रात एक डरावनी चीख ने मुझे जगा दिया.

मदद!!

रोचेस्टर! ईश्वर के लिए मदद करो!
यह आवाज़ तीसरी मंज़िल से आ रही है!

जल्दी ही दालान में कई लोग इकट्ठे हो गये.
कौन है? क्या किसी को चोट या आग लगी है?
शांत हो जाओ! सब ठीक है.

एक नौकर ने डरावना सपना देखा था, बस! अब अपने-अपने कमरों में चले जाएँ!
लेकिन आवाज़ें मेरे कमरे के ठीक ऊपर वाले कमरे से आई थीं-चिल्लाने और लड़ने की आवाज़ें. जो कुछ भी था वह एक नौकर के दु:स्वप्न से अलग ही था. मैं तैयार हो कर अपने कमरे में प्रतीक्षा करने लगी, पर मैं यह नहीं जानती थी कि मैं ऐसा क्यों कर रही हूँ. जब मिस्टर रोचेस्टर आये तो मुझे आश्चर्य न हुआ.

तीसरी मंज़िल के एक कमरे का दरवाज़ा, जो अकसर परदे से ढका रहता था, आज खुला था.

वे मुझे एक बड़े बिस्तर के दूसरी ओर ले गए.

मिस्टर मेसन!

वह ठीक हो जाएगा. लेकिन तुम उनके पास रुको, मैं डॉक्टर को ले कर आता हूँ.

मिस्टर रोचेस्टर चाहते थे कि औरों के जागने से पहले ही मेसन चला जाये. डॉक्टर के जाने के बाद, हमारी सहायता से वह घोड़ा गाड़ी में बैठ गया.

थोड़े समय बाद मुझे बेस्सी का संदेश मिला कि मेरे ममेरे भाई जॉन रीड ने परिवार का अधिकतर धन जुये में हार कर आत्महत्या कर ली थी. इस सदमे से उसकी माँ को दिल का दौरा पड़ा था, और वह जेन एयर् को याद करती रहती थी.

मैंने उनका कहा माना और पत्र निकाल कर पढ़ने लगी, जो तीन साल पुराना था:

"मैडम, मैं अपनी भतीजी, जेन एयर, को गोद लेना चाहता हूँ. मैं उसे यहाँ, मैडिएरा, ले आना चाहता हूँ. मैं अपनी संपत्ति उसके नाम छोड़ जाना चाहता हूँ. जॉन एयर्."

मैं तुम्हें धनवान बनते न देख सकती थी. मैंने उसे लिख दिया कि जेन एयर् की लावूड में टाइफस से मृत्यु हो गयी थी. अब जैसा तुम्हें उचित लगे वैसा करो.....

उसी रात मिसेज़ रीड का देहांत हो गया. मैंने सोचा था कि उनकी अंत्येष्टि के बाद लौट जाऊँगी. लेकिन अपने ममेरी बहनों की सहायता करने के लिये मैं रुक गयी. मेरे थोर्नफील्ड वापस आने तक एक महीना बीत चुकाथा.

ग्रीष्म ऋतु की एक सुहावनी शाम के समय घोड़ा गाड़ी से उतरकर मैं खेतों के पार चली. एक परिचित आकृति को देखकर मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा.

मैंने बैंक से अपने खानदानी आभूषण मंगवा लिये हैं और आज हम जेन के लिये दुल्हन के कपड़े खरीदने जायेंगे.
नहीं, नहीं! आप मुझे पहचान ही न पायेंगे. उन कपड़ों में मैं जेन एयर न रहूँगी!

अचानक मुझे अपने चाचा के पत्र का ध्यान आया. मैं उन्हें तुरंत उत्तर दूंगी.
मैं अपने चाचा को बताऊँगी कि मैं जीवित हूँ और मेरा विवाह होने वाला है. अगर मिस्टर रोचेस्टर के लिये मैं कुछ पैसे ला पाऊं तो मुझे बहुत ख़ुशी होगी.

एक माह बीत गया. फिर विवाह से दो रात पहले मैंने सपना देखा कि थोर्नफील्ड उजड़ गया था.

मैं जाग गयी. मेरी आँखों में मोमबत्ती की रोशनी पड़ी. मैंने देखा कि एक अजीब औरत मेरे विवाह के कपड़ों को घूर रही थी. उसने मेरी ओढ़नी उठाकर अपने सर पर डाल ली.

फिर उसने ओढ़नी उतार कर फाड़ डाली और उसे फर्श पर फेंक दिया.

दरवाज़े की ओर जाते हुए वह अचानक रुकी और अपनी मोमबत्ती मेरे चेहरे के बिल्कुल पास ले आई. जीवन में दूसरी बार मैं डर से बेहोश हो गई.

हमारे विवाह में न दुल्हन की सखियाँ थीं, न ही मेहमान थे. मिस्टर रोचेस्टर और मैं चलते हुए चर्च गये और पादरी के सम्मुख खड़े हो गये.
मैं चाहता हूँ कि अगर तुम दोनों में से कोई जानता है कि किसी कारणवश यह विवाह नहीं हो सकता तो अभी बता दे....

तभी एक आवाज़ सुनाई दी.
यह विवाह नहीं हो सकता. इसका एक कारण है.

एक व्यक्ति आगे आया.
क्या कारण है?
इतना ही....कि मिस्टर रोचेस्टर की पहले ही एक पत्नी है!

मेरा नाम ब्रिग्ग्स है. मैं एक वकील हूँ. मैं प्रमाणित कर सकता हूँ कि पन्द्रह वर्ष पहले एडवर्ड फेयरफैक्स रोचेस्टर का विवाह बेर्था मेसन से जमैका के स्पेनिश टाउन में हुआ था.

इस बात से बस इतना प्रमाणित होता है कि मेरा विवाह हुआ था. यह साबित नहीं होता कि वह औरत जीवित है.
तीन माह पहले तक तो वह जीवित थी.

तभी ओट में खड़ा एक अन्य व्यक्ति आगे आया.
पिछले अप्रैल में मैंने उसे थोर्नफील्ड में देखा था. मैं उसका भाई हूँ.
मिस्टर मेसन!

बहुत हुआ! हम और विवाद नहीं कर सकते. ऐसी बातें उड़ रही हैं कि थोर्नफील्ड में एक पागल औरत को कैद कर के रखा हुआ है. वह ग्रैस पूल की मरीज़ है
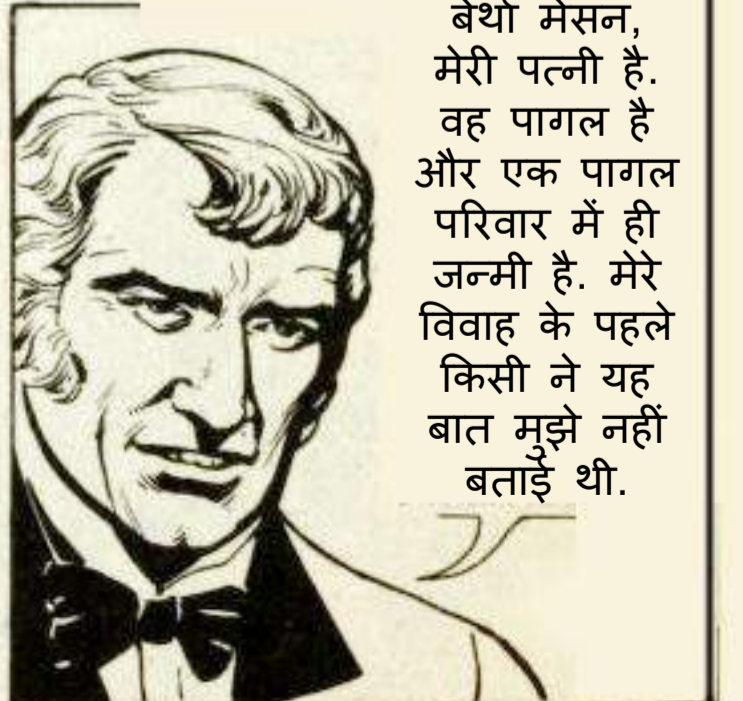
मैं आप सब को बताता हूँ कि वह औरत, बेर्था मेसन, मेरी पत्नी है. वह पागल है और एक पागल परिवार में ही जन्मी है. मेरे विवाह के पहले किसी ने यह बात मुझे नहीं बताई थी.

यह लड़की कुछ भी नहीं जानती. यह तो समझे बैठी थी कि सब कुछ सही ढंग से हो रहा था.

मेसन जानता है. वह तुम्हारे चाचा के साथ था जब तुम्हारा पत्र पहुंचा था, तुमने लिखा था कि तुम विवाह कर रही हो. मेसन ने उन्हें सब बता दिया था.
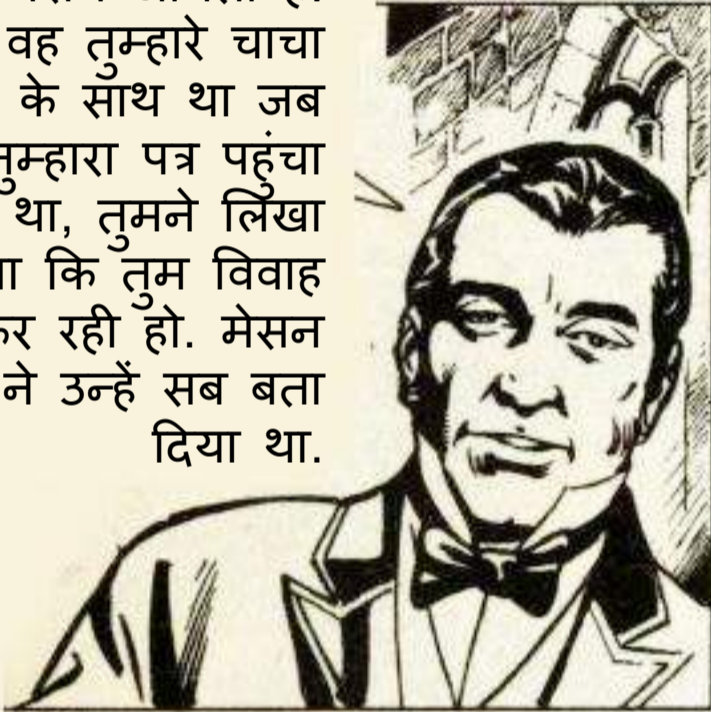
हम थोर्नफील्ड लौट आये. विवाह-उपरान्त हमारी यात्रा का जो सामान घोड़ा-गाड़ी में रखा था वह समेट लिया गया. मैं अपने कमरे में चली आई. मैंने दुल्हन का जोड़ा उतार दिया. और मैं सोच में डूब गयी.

मुझे एक ही रास्ता दिखाई दिया. मुझे थोर्नफील्ड से चले जाना होगा. इसी में एडवर्ड की और मेरी भलाई थी. मुझे बिना बताये जाना होगा. अन्यथा रुकने के लिए वह मुझ से विनय करेंगे और मैं जा न पाऊँगी.

भोर के समय मैंने अपने थोड़े से कपड़े समेटे, अपना पर्स लिया और चुपचाप उस घर से चली आई.
अलविदा मिसेज़ फेयरफैक्स! अलविदा प्यारी एडेलि! और ईश्वर आप पर कृपा करें मेरे स्वामी!

मैंने एक घोड़ागाड़ी को रोका और उस पर दो दिन यात्रा कर व्हिटक्रॉस पहुंची. यहाँ से आगे जाने के लिए मेरे पास पैसे न थे.
व्हिटक्रॉस तो सिर्फ एक चौराहा ही है. और मैंने अपनी सारी चीज़ें उस घोड़ा गाड़ी में ही छोड़ दीं.

मैं बहुत कमज़ोर, भूखी और थकी हुई थी, एक झाड़ के नीचे मैंने रात बिताई.

अगली सुबह मैंने कुछ बेर खाये, फिर मैं निकट के गाँव चल कर गई. मुझे खाना चाहिए था. काम चाहिए था. मैं एक बेकरी में गयी.

क्या आप बता सकती हैं कि मुझे कहाँ काम मिल सकता है?
नहीं. यहाँ की फैक्ट्री में सिर्फ आदमी काम करते हैं. जिन्हें नौकर चाहियें उनके पास पहले से ही हैं. जितने दर्जी होने चाहियें उतने यहाँ पहले ही हैं.

मैं यहाँ-वहां भटकती रही, काम के लिये पूछती रही. पर हर बार वही उत्तर मिला. सूर्यास्त के समय एक किसान को नाश्ता करते देखा.
क्या आप ब्रेड का एक टुकड़ा मुझे देंगे? मैं बहुत भूखी हूँ?
हाँ, क्यों नहीं?

रात के समय मैं गाँव से बाहर थी. वर्षा होने लगी.
क्या मैं भूख और ठंड से मर जाऊँगी?

अचानक खुले मैदान के दूसरी ओर एक रोशनी चमकने लगी. क्या यह कोई संकेत था? मैंने वहां पहुँचने का प्रयास किया. वहां एक लंबा,नीचा-सा घर था.

मैं कितनी भाग्यशाली थी. जो लोग वहां रहते थे उन्होंने मुझे शरण दी.
कौन है वह?
मैंने उसे दरवाज़े पर पाया.

रिवेर्स परिवार के सदस्य थे, डायना, मैरी, उनका भाई सैंट जॉन और बूढ़ा नौकर हन्नाह. सब ने मेरी देखभाल की और मेरे मित्र बन गये. मैं स्वस्थ हुई तो सैंट जॉन ने आश्वासन दिया कि वह मेरे लिये काम ढूंढेगा.

मैं मोरेटन में पादरी हूँ. जब मैं आया तो यहाँ कोई स्कूल न था. लड़कों के लिये स्कूल मैंने खोल दिया है. अब लड़कियों के लिये खोलना चाहता हूँ. अध्यापिका को दो कमरे का घर और वर्ष के तीस पौंड मिलेंगे.

यह गाँव का स्कूल है. गरीब लड़कियां....किसानों की बेटियाँ ही पढ़ने आएँगी. क्या तुम यह काम करना चाहोगी?

मैं पूरे मन से यह काम करूंगी.

मैं एक छोटी-सी झोपड़ी में रहने के लिये आ गयी. वहीं स्कूल खोला. सैंट जॉन अकसर आ जाता और अपनी योजनाओं के विषय में बात करता.

वर्षों पहले मैंने मिशनरी बनने का निश्चय किया था. मेरे पिता इस के विरुद्ध थे. पर उनका निधन हो चुका है और मैं कहीं भी जाने के लिये स्वतंत्र हूँ. जल्दी ही मैं पूर्व जाऊँगा.

जेन, मेरे साथ चलो. दस महीनों से मैं तुम्हें काम करते देख रहा हूँ. ईश्वर चाहते हैं कि तुम एक मिशनरी की पत्नी बनो.

मैं इस योग्य नहीं हूँ. ईश्वर नहीं चाहते कि मैं वैसा जीवन जीयूँ.

मेरे भीतर एक स्त्री का हृदय है. पर तुम्हारे लिये सिर्फ बहन का प्यार है. मैं तुम से विवाह नहीं कर सकती.

जेन, तुम्हें कभी खेद न होगा! मैं प्रतीक्षा करूंगा.

फिर एक दिन वह एक अलग सूचना लाया.

मैंने सुना है कि लंदन के एक वकील, ब्रिग्ग्स के पास जेन एयर् के लिये कोई संदेश है.

वह मुझसे क्या चाहता है?

यह बताने के लिये कि तुम्हारे चाचा, मिस्टर एयर्, का निधन हो गया है. अपनी 20000 पौंड की संपत्ति वह तुम्हारे नाम कर गए हैं. अब तुम अमीर हो.

यह सच है. फुफेरे भाई-बहन पाकर मैं बहुत प्रसन्न थी, मैं पहले ही उन्हें बहुत चाहती थी. मैंने सारे पैसे हम चारों में बाँट दिये. पांच हज़ार हर एक के लिये बहुत थे. डायना और मैरी ने काम करना छोड़ दिया. हम सब का सुखद पुनर्मिलन हुआ.

मैं उत्सुकता से आगे बढ़ी. घर का सामने का भाग सबसे पहले दिखाई देना था. उस सुंदर घर को देखने के लिये मैंने आँखें उठायीं...पर वहां तो काला खंडहर था.

वहां टूटी हुई दीवारें थी, बिना शीशों के खिड़कियाँ थीं. न छत थी, न चिमनी. सब ढह गया था. चारों ओर मौत का सन्नाटा था. सब वैसा ही था जैसा मैंने स्वप्न में देखा था

मैं झटपट पास के सराय की ओर गई. उसका मालिक ही मेरे प्रश्नों का उत्तर दे सकता था.

क्या मिस्टर रोचेस्टर अब थोर्नफील्ड हॉल में रहते हैं?

नहीं, मैं'म! थोर्नफील्ड तो अब एक खंडहर है! फसल कटाई के समय वहां आग लग गयी थी.

उस घर में एक पागल औरत भी थी. उसी ने आग लगाई थी और फिर उसी आग में जल कर मर गयी, हालाँकि मिस्टर रोचेस्टर ने उसे बचाने की कोशिश की थी.

और मिस्टर रोचेस्टर?

वहां मैंने नौकरों को अपने बारे में बताया. फिर जो ट्रे मैरी ने तैयार की थी उसे लेकर मैं मिस्टर रोचेस्टर के पास आई.
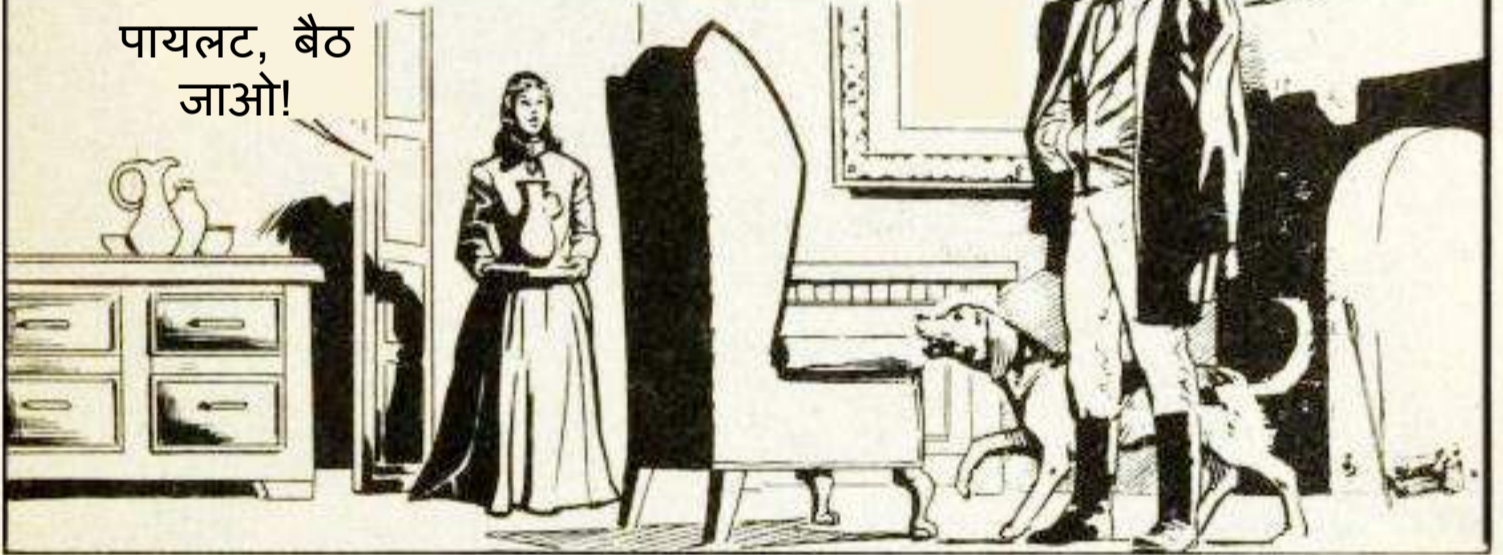
उनके हाथ ने मेरे कंधे को छुआ, मेरी गर्दन, मेरी कमर को छुआ. उन्होंने मुझे बाहों में भर लिया.
क्या जेन है? यही उसका डील-डौल है, यही उसका आकार है......
हाँ, वह यहीं है- उसका हृदय भी है. ईश्वर आपका कल्याण करें.
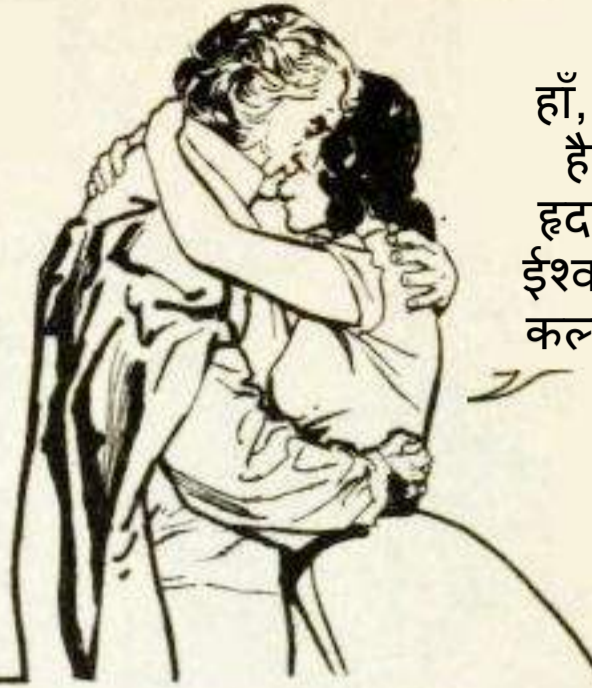
उस रात खिड़की के पास बैठे-बैठे मैं तुम्हारे लिये व्याकुल हो गया और 'जेन! जेन! जेन!' चिल्लाने लगा.

और एक आवाज़ ने उत्तर दिया 'प्रतीक्षा करो, मैं आ रही हूँ!'
और मैं आ गयी. मैं आ गयी हूँ...और अब कभी छोड़ कर न जाऊँगी.
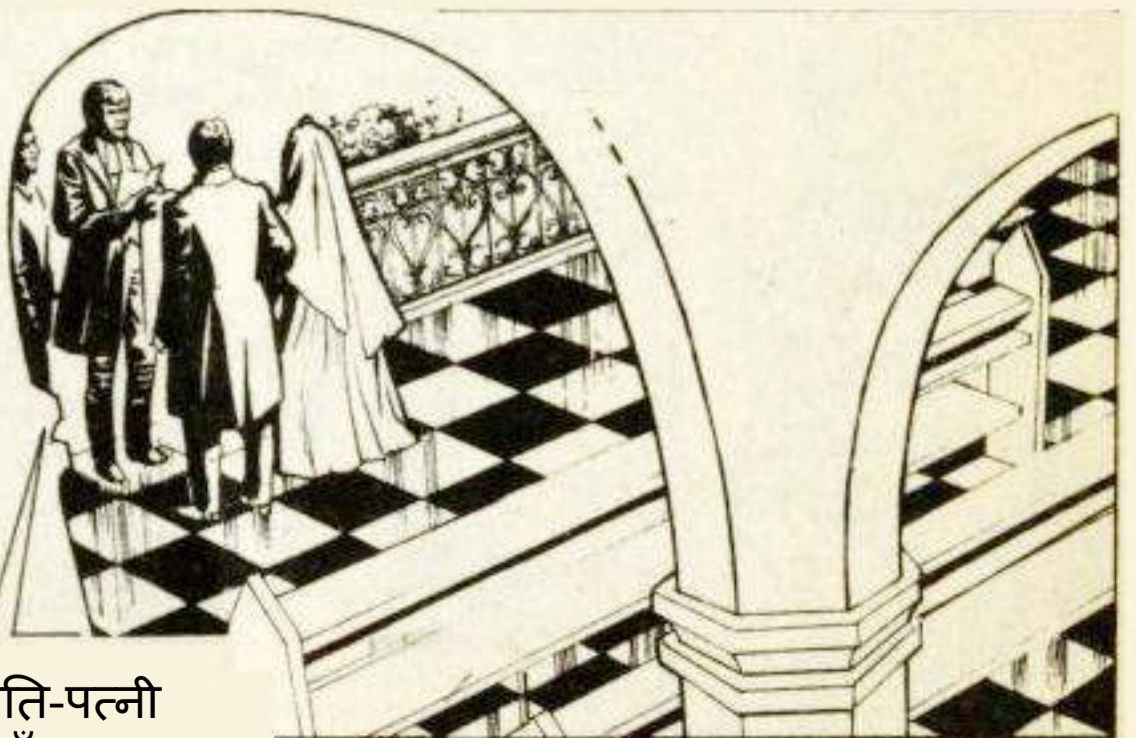
चार दिन बाद हमारा विवाह हो गया.
अब मैं तुम्हें पति-पत्नी घोषित करता हूँ........

उन्होंने बताया कि उनकी एक आँख में कुछ सुधार हो रहा था. हम ने लंदन के एक डॉक्टर से इलाज करवाया और जल्दी ही एडवर्ड की वह आँख ठीक हो गई.

जब उनके पहले बच्चे को उनकी गोद में डाला गया तो उन्होंने देखा कि बच्चे की आँखें उनके जैसी ही थीं, बड़ी-बड़ी और काली.

मेरे विवाह को दस वर्ष बीत गए हैं. मैं महसूस कर सकती हूँ कि जिन्हें मैं प्यार करती हूँ उनके साथ रहने में कितना आनंद है. मैं बहुत भाग्यशाली हूँ.

अंत